(b) For discussions with senior officers of the Defence Research and Development Organisation and Ministry of Defence on matters of mutual interest.

मध्य प्रदेश में पंजीबद्ध बेरोजगार व्यक्ति

1333. **श्री लक्ष्मू भवानी** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 दिसम्बर, 1964 को मध्य प्रदेश में विभिन्न रोजगार दफ्तरों में कितने व्यक्ति पंजीबद्ध थे; और

(ख) इन में से कितने व्यक्तियों को रोजगार दिला दिया गया ?

श्रम और रोजगार मंत्री (श्री दा० संजीवैया) : (क) 1,45,685.

(ख) 1964 में 49871 व्यक्तियों को रोजगार दिलाया गया ।

Artificial Limbs Centre, Poona

1344. **Shrimati Savitri Nigam:**
Shri P. C. Borooah:
Shri M. L. Dwivedi:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state the number of civilian amputees who were provided artificial limbs by the Poona Centre and by other centres under that Ministry in the country during the year 1964-65?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): Nine hundred and seventy-six civilian amputees were provided artificial limbs during the year 1964-65 (upto 28th February 1965) from the Artificial Limb Centre, Poona, which is the only Centre of its kind, controlled by the Ministry of Defence.

प्रतिष्ठित व्यक्तियों की यात्रा

1335. **श्रीमती मैमूना सुल्तान :**
श्री मुहम्मद इलियास :
श्री यशपाल सिंह :
श्रीमती रामदुलारी सिन्हा :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री हेडा :
श्री वी० चं० शर्मा :
श्री रामेश्वर टांटिया :
श्री जसवन्त मेहता :
श्री हरिश्चन्द्र माथुर :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :

क्या **वैदेशिक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार ने किस किस देश के राष्ट्रपति अथवा प्रधान मंत्री को भारत आने का निमंत्रण दिया है और किस किस ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है तथा उन के कब आने की संभावना है; और

(ख) किन किन देशों ने भारत के राष्ट्रपति अथव प्रधान मंत्री को 1965 में उन देशों की यात्रा करने का निमंत्रण भेजा है और उन के वहां कब तक जाने की संभावना है ?

वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) और (ख) जब कि भारत सरकार और विदेशों की सरकारों के बीच विदेशों के विशिष्ट व्यक्तियों के निमंत्रणों का आदान-प्रदान करने के विषय में पत्रव्यवहार हो रहा हो, ऐसी कोई सूचना देना उचित न होगा । और इस से शायद कोई उलझन पैदा हो जाय । अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहार यह है कि दोनों सबद्ध सरकारें यात्राएं होने से पहले किसी सहमत और उचित समय पर ही आम तौर से एक साथ यात्राओं की घोषणा करती हैं ।